## एसपीएमएल इंजीनियरिंग लाइफ के चेयरमैन से साक्षात्कार

# लोग पानी की महत्ता समझें, उसे बर्बाद न करें : सुभाष सेठी

**सुभाष सेठी जो एसपीएमएल इंजीनियरिंग लाइफ के चेयरमैन हैं.** भारत की अग्रणी बुनियादी ढांचा विकास कंपनियों में से एक एसपीएमएल का नेतृत्व करते हुए इसके **अध्यक्ष सुभाष सेठी** के पास समर्पण व लगन है और वे इसका उपयोग देश में पानी और बिजली की चुनौतियों से निपटने के लिए कर रहे हैं. तीन दशक पहले ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा करते **समय सुभाष सेठी** को जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक बड़े व्यावसायिक अवसर की पहचान हो गई थी. उनकी दृष्टि सरल थी. आज देश के विभिन्न राज्यों में लाखों लोग एसपीएमएल की परियोजनाओं की बदौलत कहीं अधिक आरामदायक जिंदगी जी रहे हैं. पानी, बिजली, पर्यावरण और बुनियादी ढांचे में अवधारणा से लेकर रखरखाव तक विभिन्न बहु-विषयक इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा सेवाओं के लिए समाधान प्रदान करते हैं. कंपनी एकीकृत जल स्रोत और प्रबंधन समाधान प्रदान करती है, हाइड्रो/थर्मल पावर संयंत्रों के निर्माण और संचालन सहित बिजली पारेषण और वितरण परियोजनाएं भी कंपनी के कार्य क्षेत्र हैं. उनसे बात कर हम उनके जीवन के उतार चढ़ावों से लेकर आज कंपनी जिस मुकाम पर है, उसके बारे में जानेंगे. इतना ही नहीं, इन्होंने एक ऐसी बीमारी को मात दी है, जिसका नाम सुनते ही लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं. प्रस्तुत है **युवा शक्ति के प्रधान संपादक सुधांशु शेखर** से **सुभाष जी से बातचीत के प्रमुख अंश:-**

**युवा शक्ति :** सबसे पहले तो युवा शक्ति की ओर से आपका बहुत-बहुत स्वागत है.

**सुभाष सेठी :** सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि आपने मुझे साक्षात्कार लायक समझा और मेरा इतना विस्तार से परिचय दिया.

**युवा शक्ति :** सुभाष जी आपके सफर की कहां से शुरुआत हुई ? अपने पिताजी और उनकी प्रेरणा के बारे में बताएं और उन्होंने इस सफर की शुरुआत कब की थी और फिर कैसे यह सफर अनवरत चलता रहा?

**सुभाष सेठी :** मेरे पूज्य पिताजी ने जब पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट किया, तब वे वहां के टॉपर थे. मेरे दादा जी बुलियन का काम करते थे, हालांकि उन्हें इस काम में रुचि आगे नहीं बढ़ी. वे कुछ नया करने की सोच रहे थे, जिससे उनकी बुद्धि, समय व और नॉलेज को वह और अच्छी तरह से उपयोग में ला सकें. उसी समय वे गुवाहाटी गए. गुवाहाटी में उनको काम मिला वाटर सप्लाई का. उसमें गुवाहाटी रिफाइनरी में वाटर पाइप लाइन लगाने का काम था. उसके बाद में धीरे-धीरे धीरे हम पूरे नॉर्थ ईस्टर्न में काम करने लग गए. असम, मिजोरम, अरुणाचल व नगालैंड सहित 7 स्टेट में हम काम करते थे. इस तरह वाटर सप्लाई का बिजनेस आज हम पूरे देश में सबसे बड़े वाटर सप्लाई ईपीसी कांट्रैक्टर के रूप में काम कर रहे हैं. आज उन्हीं के बदौलत हम इस बिजनेश को आसमान तक पहुंचा पाये हैं.

**युवा शक्ति :** आपकी पढ़ाई लिखाई कहां तक हुई है और कब आपने इस बिजनेस में योगदान करना शुरू किया?

**सुभाष सेठी :** मैंने गुवाहाटी से बीकॉम किया और उस समय तो ऐसा था कि हम नाइट में कॉलेज जाते थे और दिन में पिताजी के ऑफिस में काम करते थे. इस तरह हम पिताजी को देखते-देखते काम सीख गए. सही तो यह है कि मैंने मैट्रिकुलेशन की थी 71 में और उसके बाद से ही पिताजी के साथ काम में लग गए.

**युवा शक्ति :** तो आपने बताया कि आप लार्जेस्ट ईपीसी कांट्रैक्टर हैं. फिर भी आज के डेट में इसके अलावा भी कंपनी की क्या-क्या एक्टिविटीज हैं?

**सुभाष सेठी :** हमारी मेजर एक्टिविटी तो वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट के क्षेत्र में ही है और हम इस क्षेत्र के लीडर हैं. आज पूरे भारत में आप कहीं भी नाम लो, भले राजस्थान हो, आसाम हो, बंगाल हो, उड़ीसा हो, बिहार या गुजरात हो, सब जगह हमारी वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट चलते हैं. हमारा मेन फोकस वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट ही है और इस देश में आज जैसे पीएम मोदी जी का जो हर घर नल का जो अभियान चल रहा है, उसमें योगदान कर बहुत खुशी हो रही है. जिस गांव में वर्षों से औरतें पानी लाने के लिए मीलों दूर जाती रही हैं, वहां घर में पानी पहुंचाना हमारे लिए बड़े गर्व की बात है. हम लोग जब पढ़ते थे कि जल ही जीवन है और इसकी महत्ता को बहुत पहले आपके पिताजी ने भांप लिया था, क्योंकि अभी जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है.

**युवा शक्ति :** लोग कहते हैं कि आने वाले दिनों में जल की किल्लत से दो-चार होना पड़ेगा तो इस क्षेत्र से जुड़े रहने की वजह से आपका इसके लिए क्या सुझाव रहेगा?

**सुभाष सेठी :** देखिए ऐसा है कि भारतवर्ष में नदियां हैं, हमारे पास अपार जल स्रोत हैं. हमें सिर्फ उनको मोबिलाइज करना है कि जहां पानी नहीं है, वहां तक कैसे पहुंचाया जाये. जहां तक मुझे मालूम है कि प्राइम




मिनिस्टर की योजना नदियों को जोड़ने की है, हम नदियों को एक साथ जोड़ दें तो मेरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों पानी की किल्लत को दूर कर पायेंगे. कहा जाता है कि एक समय आयेगा, जब पानी के लिए लड़ाइयां होंगी, भारतवर्ष में ऐसा नहीं होगा, क्योंकि गवर्नमेंट इसको लेकर बहुत संवेदनशील है और नदियों को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है. लेकिन आम लोग पानी की महत्ता को नहीं समझ रहे हैं या फिर उसको बर्बाद करते हैं. मैं जनता से निवेदन करूंगा वह पानी को बचाने के प्रति सचेष्ट रहें और बरसात के पानी को संभाल कर रखने में जुट जायें.

**युवाशक्ति :** सेठी जी, आप सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और आप हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं. आप किन संस्थाओं से जुड़े हैं और आपका मुख्य उद्देश्य क्या है?

**सुभाष सेठी :** मेरे जीवन का उद्देश्य है खुश रहिए. एक कहानी है, जिसमें एक टीचर ने अपने सारे बच्चों से पूछता है कि व्हाट डू यू वांट टू बिकम इन योर लाइफ यानी आप अपनी जिंदगी में क्या बनना चाहोगे, तो किसी ने बोला कि मैं एस्ट्रोनॉयड बनूंगा, किसी ने कहा मैं डॉक्टर बनूंगा, किसी ने इंजीनियर कहा तो एक बच्चे ने लिखा मैं खुश व्यक्ति बनना चाहता हूं तो उस टीचर ने उस बच्चे को कहा कि तुमने मेरे सवाल को नहीं समझा, तो उस बच्चे ने कहा कि आपने मेरा उत्तर नहीं समझा. आपने जिंदगी को नहीं समझा. इफ आई एम हैप्पी देन माय गोल इज ओवर तो मैं यही चाहूंगा कि सब चेष्टा करें, खुश रहें.

**युवा शक्ति :** सुभाष जी आपने रिबाउंड नाम की एक पुस्तक भी लिखी है. इसके पीछे क्या कारण थे?

**सुभाष सेठी :** रिबाउंड, जिस बीमारी को सुनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं, उस बीमारी को मैंने झेला है. भगवान की कृपा से ठीक भी हो गया और यही बताना चाहा कि जिंदगी कैसे जी जाती है. कैसे हम खुश रहें. कैसे हमारी सोच पॉजिटिव रहे. अगर यह सब है तो हर बीमारी का हम सामना कर सकते हैं मैं चाहूंगा कि आप इस किताब को जरूर पढ़िए और प्रोत्साहित होइए

**युवा शक्ति :** सच ही कहा है कि खुश होना एक बहुत बड़ी कला है और सभी लोग जीवन में खुश नहीं हो पाते हैं और ना जाने किन-किन ख्यालों में इसमें डूबे रहते हैं. आप एक अच्छे मोटिवेशनल स्पीकर भी लग रहे हैं और आपने खुश रहने की जो बात कही, इस संबंध में एक कवि की कुछ पंक्तियां है कि *जिस युग का विज्ञान वह्नि हो, विद्या धन की दासी हो, जिसका शिल्प मृत्यु पूजक, सभ्यता रुधिर की प्यासी हो, उस युग का कल्याण कहां है, दुख से उसका त्राण कहां है, भागी जाती ज्योति, ज्ञान करता जिसकी रखवाली है, सब कुछ पाकर भी मनुष्य क्यों, इतना खाली-खाली है.* तो यह जो खालीपन है, इसे कैसे दूर किया जाये, इस संबंध में आप क्या सुझाव देंगे?

**सुभाष सेठी :** देखिए खालीपन तो मनुष्य की सोच है. अपने रिश्तों को संभाले, अपने रिश्तों को समय दें, जो मैं बार-बार बोलता हूं कि हम चांद पर तो पहुंच गए, लेकिन हम अपने भाई के मिलने के लिए सड़क पार नहीं कर रहे हैं. सुख में जो साथ दे, उसे रिश्ते कहते हैं और दुख में जो साथ दे, उन्हें फरिश्ते कहते हैं और अगर हम इन रिश्तों को संभाल के रखें तो बेहतर होगा. मेरा कहना है कि आपके फोन में जरूर 1500 से ज्यादा कांटेक्ट होंगे. आप अगर पांच ऐसे आदमी को ढूंढ लो, जो आपको कभी भी दुख में, सुख में आपका साथ दे. अगर आप उसको रात को 2 बजे फोन करें तो ये नहीं पूछे कि क्यों फोन किया और आपके साथ खड़ा हो जाए. ऐसे पांच भी हैं तो आप लकी हैं. अगर आप ऐसे 10 लोगों को खोज लो तो इसे भगवान की कृपा कहेंगे. 15 तो मिलना मुश्किल है. मैं चाहूंगा कि आप इन 15 रिश्तों को संभाल के रखो, समय दो, इन रिश्तों के सामने अपना दिमाग मत यूज करो, अपना दिल यूज करो जो एक बड़ी बात होगी.

**युवा शक्ति :** दिमाग में एक पंक्ति आ रही है कि - जिंदगी का यह फलसफा भी आजमाना चाहिए/ जंग जब अपनों से हो तो हार जाना चाहिए.

**सुभाष सेठी :** वाह, सही कहा आपने. जिसने रिश्तों को संभाल लिया, उसने सब कुछ संभाल लिया. इस तरह अगर खुश रहना चाहते हैं तो रिश्तों को संभाल के रखें. हम सबको ग्रांटेड समझते हैं, रिश्तों को ग्रांटेड मत समझो, पर संभालने की कोशिश जारी रहनी चाहिए.

**युवा शक्ति :** सेठी जी आप एक धार्मिक व्यक्ति भी हैं और बहुत सारी धार्मिक गतिविधियों में आपको शामिल पाया गया है तो आपके लिए धर्म क्या है और धर्म के प्रति लोगों का रुझान किस स्तर तक होना चाहिए. क्या धर्मांधता सही है?

**सुभाष सेठी :** देखिए मेरे लिए धर्म यही नहीं है कि आप जाकर पूजा करो मंदिर में, आपके अंदर श्रद्धा होनी चाहिए. एक शक्ति जरूर है, जिसे भगवान कहते हैं. इतनी भी श्रद्धा मत रखिए कि आप अपने घर को भूल जाएं. आप अपने घर को मंदिर बनाकर रखें और यह तब होगा जब आप खुश रहें, जब आप अपने रिश्तों को संभाल के रखें, आप अपने बड़ों जैसे माता-पिता की इज्जत करें, आप अपने भाइयों व दोस्तों के साथ सौहार्द बना के रखें, अच्छी जिंदगी जिएं, अच्छी सोच रखें. अगर यह सब है तो आप अपने मंदिर के आप खुद ही भगवान बन सकते हो.

**युवा शक्ति :** अब एक आखिरी सवाल कि युवा शक्ति के दर्शकों/पाठकों के जरिये आप देश दुनिया के लोगों से क्या अपील करना चाहेंगे कि आज जो वर्तमान परिपेक्ष्य है देश का, चाहे वह देश के विकास का हो या युवकों के रोजगार का हो या तमाम समस्याओं की हो. इस संदर्भ में आपका क्या संदेश होगा?

**सुभाष सेठी :** मैं तो युवाओं से यही कहूंगा कि कभी यह मत सोचो कि मैंने बहुत कुछ सीख लिया है. हमेशा जिज्ञासु रहो, हमेशा नई नई चीजें सीखो, अच्छी किताबें पढ़ो, अच्छे लोगों की संगति करो. आप अपने उन दोस्तों के साथ रहो, जो आपको प्रोत्साहित करें, नेगेटिव रुख वाले दोस्तों को कांटेक्ट लिस्ट से डिलीट कर दो. आप अपने साथ हमेशा पॉजिटिव माइंड सेट वाले लोगों के साथ रहो.